रक्षा जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)
(रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
सिद्धार्थनगर, मैसूर – 570011

अनुसंधान सहयोगी (आरए) और जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) प्रदान करने के लिए विज्ञापन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में रक्षा जैवरक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी) के पास जैवरक्षा महत्व के खाद्य जनित रोगजनकों और विषाक्त पदार्थों का पता लगाने की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और सैन्य पोषण समाधान प्रदान करने के कर्तव्यों का चार्टर है। डीआईबीटी युवा, प्रतिभाशाली और अपेक्षित योग्यता वाले प्रेरित भारतीय नागरिकों से रक्षा से संबंधित अनुसंधान को आगे बढ़ाने के इच्छुक लोगों से ऑफ़लाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	डीआरडीओ छात्रवृत्ति	आवश्यक योग्यताएं	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या
1.	खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी / खाद्य प्रौद्योगिकी / खाद्य प्रसंस्करण इंजीनियरिंग	खाद्य प्रसंस्करण इंजीनियरिंग / खाद्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी/ खाद्य इंजीनियरिंग में पीएचडी वांछनीय: प्रासंगिक क्षेत्र में एआई/एमएल/सिमुलेशन टूल में अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।	अनुसंधान सहयोगी (आरए)	01
2.	खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर डिग्री (एम.एससी.) वैध नेट/गेट स्कोर के साथ।	जेआरएफ	04
3.	पॉलीमर विज्ञान/ पॉलीमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी/ पॉलीमर इंजीनियरिंग	प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर डिग्री (एम. टेक)।		

<u>सामान्य निर्देश:</u>

- **अनुसंधान सहयोगी (आरए)**: मासिक छात्रवृत्ति रु. 67,000/- + एचआरए डीआरडीओ नियमों के अनुसार।
- आवेदन प्राप्त होने के अनुसार अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष (एससी/एसटी के लिए आयु 5 वर्ष और ओबीसी के लिए 03 वर्ष तक सरकार के नियमों के अनुसार छूट दी जा सकती है)। अनुसंधान सहयोगी (आरए) का कार्यकाल दो साल का होगा।
- **जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ)** को एचआरए के साथ छात्रवृत्ति के रूप में 37,000 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाएगा। जेआरएफ का अनुदान डीआरडीओ और राष्ट्रीय एजेंसी के रिसर्च फेलोशिप नियमों के अनुसार होगा। फेलोशिप की पेशकश से फेलो को डी.आर.डी.ओ. में समाहित होने का कोई अधिकार नहीं मिलता है। किसी भी उम्मीदवार द्वारा प्रवेश का अधिकार नहीं मांगा जाएगा।

- जूनियर रिसर्च फेलोशिप की अवधि शुरू में दो साल की होगी और प्रदर्शन के आधार पर, यदि आवश्यक हो तो इसे तीसरे वर्ष और चौथे वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।
- केवल मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से उपरोक्त योग्यताओं वाले उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते हैं।
- साक्षात्कार की तारीख को जेआरएफ के लिए आयु 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 05 वर्ष और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 03 वर्ष तक की आयु में छूट दी गई है।
- समर्थक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र निम्नलिखित पते पर जमा किया जाना है (केवल हार्ड कॉपी)

  केंद्र प्रमुख
  रक्षा जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
  डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय
  सिद्धार्थनगर, मैसूर – 570011
- उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय मूल प्रमाण पत्र और प्रशंसापत्र प्रस्तुत करने होंगे। इसके अलावा, उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दौरान सरकार द्वारा जारी एक वैध आईडी कार्ड (जैसे आधार, पासपोर्ट, या ड्राइविंग लाइसेंस) लाना होगा।
- वर्तमान में सरकारी विभाग/पीएसयू/स्वायत्त निकायों में कार्यरत उम्मीदवारों को अपना आवेदन उचित चैनल के माध्यम से भेजना चाहिए और साक्षात्कार के समय अपने नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रस्तुत करना आवश्यक है।
- यदि आवश्यक हुआ तो साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को छाँटने के लिए वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली एक लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- साक्षात्कार में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर, चयनित उम्मीदवारों के एक पैनल को उपलब्ध रिक्तियों और भविष्य की प्रत्याशित रिक्तियों के लिए तैयार किया जाएगा। पैनल साक्षात्कार की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए संचालित होगा। किसी भी विसंगति की स्थिति में केंद्र प्रमुख, डीआईबीटी, मैसूर का निर्णय अंतिम होगा।
- केवल चयनित उम्मीदवारों को उनके आवेदन पत्र में उल्लिखित उनके ई-मेल आईडी के माध्यम से शामिल होने की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया जाएगा।
- चयन पूरी तरह से योग्यता के आधार पर किया जाएगा। खारिज किए गए आवेदनों के लिए कोई संचार नहीं किया जाएगा।
- विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि है।
- यदि चयनित होते हैं तो साक्षात्कार में भाग लेने या नौकरी में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को कोई टीए/डीए नहीं दिया जाएगा।

प्रमुख (मानव संसाधन विकास)
कृते केंद्र प्रमुख
डीआईबीटी, मैसूर